एक नजर में

श्री आदिनाथ भगवान जन्मकल्याणक महोत्सव को लेकर निकाली भव्य रथयात्रा

मंदसौर। नाकोड़ा नगर स्थित 1008 श्री चन्द्रप्रभ एवं नवदेवता जिनालय में 12 मार्च गुरुवार को प्रथम तीर्थंकर 1008 श्री आदिनाथ भगवान का जन्मकल्याणक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा भव्य रथयात्रा सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारंभ प्रात: काल से ही भक्तिमय वातावरण में हुआ। प्रतिष्ठाचार्य पं. विजयकुमार गांधी के सानिध्य में मांगलिक क्रियाएँ संपन्न कराई गई। प्रात: 7:00 बजे से 108 कलशों के माध्यम से भगवान का पावन अभिषेक और विश्व शांति की मंगल कामना के साथ शांतिधारा की गई। इसके पश्चात नित्य नियम पूजन संपन्न हुआ। प्रात: 9:00 बजे नाकोडा नगर स्थित जिनालय से भव्य रथयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में धर्मालुजन सम्मिलित हुए। रथ में सवार होकर भगवान ठाठ बाठ से निकले, रथयात्रा के दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा अर्चना की। जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में शाम को भी विशेष आयोजन किए गए। सायंकाल 7:45 बजे 48 दीपकों के माध्यम से संगीतमय भक्तामर पाठ और महाआरती का आयोजन हुआ, आरती के पश्चात भगवान के पालने का विशेष कार्यक्रम रखा गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इस भव्य आयोजन के आयोजक मुनि सेवा समिति, मन्दसौर एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, मन्दसौर द्वारा किया गया।

पीएमएफएमई योजना से बदली किस्मत, पिपलिया मंडी के दीपक माहेश्वरी बने सफल उद्यमी

मंदसौर। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (क्रस्न्रस्ढ्ढ) योजना छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। इसी योजना का लाभ लेकर पिपलिया मंडी निवासी दीपक कुमार माहेश्वरी ने अपने छोटे लहसुन व्यापार को सफल उद्योग में बदल दिया। आज वे परिधि ट्रेडर्स के माध्यम से लहसुन प्रसंस्करण का व्यवसाय संचालित कर रहे हैं और करीब 25 लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं। उद्यानिकी विभाग की इस योजना के तहत दीपक को सेंट्रल बैंक पिपलिया मंडी से लगभग 28.43 लाख रुपए का ऋण मिला, जिसमें 10 लाख रुपए की सब्सिडी भी प्रदान की गई। इस सहयोग से उन्होंने अपने उद्योग में आधुनिक ग्रेडिंग और बल्क ब्रेकर मशीन स्थापित की, जिससे लहसुन की गुणवत्ता के अनुसार प्रसंस्करण किया जाता है। उनकी इकाई में लहसुन की ग्रेडिंग, पीलिंग और गार्लिक पेस्ट तैयार किया जाता है। यहां प्रतिदिन करीब एक टन गार्लिक पेस्ट का उत्पादन होता है, जिसे उत्तर प्रदेश, बिहार, बेंगलुरु और दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में भेजा जाता है। लगभग 10 वर्षों से इस व्यवसाय से जुड़े दीपक माहेश्वरी ने अपने उद्योग के माध्यम से कई लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार देकर महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया है। उनका कहना है कि मंदसौर की लहसुन पूरे देश में प्रसिद्ध है और सही योजना व मेहनत से छोटा व्यवसाय भी बड़े उद्योग का रूप ले सकता है।

फर्जी फर्म के नाम बैंक खाता खोलकर सायबर ठगी के 3 करोड़ 30 लाख का लेन-देन

एक आरोपी गिरफ्तार, इंदौर निवासी युवक की तलाश जारी

पिपलिया मण्डी। पिपलियामंडी पुलिस ने फर्जी फर्म के नाम से बैंक खाता खुलवाकर साइबर ठगी के करोड़ों रुपए के लेन-देन के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

गिरफ्तार आरोपी को शुक्रवार को नारायणगढ़ न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर साइबर ठगी से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जा रहा है। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया कि क्षेत्र में एक बैंक खाते से करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेन-देन की जानकारी स्टेट साइबर सेल को प्राप्त हुई थी। इस संबंध में साइबर सेल ने मंदसौर जिला पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद मीणा के निर्देश पर पिपलियामंडी पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की।

बैंक स्टेटमेंट की जांच में सामने आया पूरा मामला

जांच के दौरान भारतीय स्टेट बैंक की बोतलगंज शाखा में संचालित एक चालू खाते की जानकारी सामने आई। पुलिस ने बैंक से खाते से संबंधित केवाईसी दस्तावेज और बैंक स्टेटमेंट मंगवाकर उसका विस्तृत अवलोकन किया। जांच में पता चला कि 6 जनवरी 2024 से 26 फरवरी 2026 के बीच उक्त खाते में कुल 225 बार लेन-देन और 107 बार नकद निकासी की गई। इस दौरान खाते में 3 करोड़ 29 लाख 92 हजार 918 रुपए 45 पैसे जमा हुए और लगभग उतनी ही राशि विभिन्न माध्यमों से निकाल ली गई। जांच के अंत में खाते का बैलेंस शून्य पाया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि खाते का उपयोग केवल ठगी से प्राप्त राशि के लेन-देन के लिए किया जा रहा था।

एक लाख रुपए के लालच में दे दिए खाते के दस्तावेज:-दीपक माली राहुल के लालच में आ गया और उसने 'राजश्री कम्प्यूटर' नाम से ऑनलाइन फर्म का पंजीयन करवा लिया। इसके बाद 1 जून 2024 को भारतीय स्टेट बैंक शाखा बोतलगंज में उक्त फर्म के नाम से चालू खाता खुलवाया। खाता खुलने के बाद दीपक ने पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड और लिंक मोबाइल सिम राहुल गेहलोत को सौंप दिए। इसके बदले राहुल ने उसे एक लाख रुपए नकद दिए और भविष्य में होने वाले लेन-देन के अनुसार कमीशन देने की बात कही।

साइबर ठगी की रकम का किया लेन-देन:-पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपियों ने मिलकर इस बैंक खाते का उपयोग ऑनलाइन ठगी से प्राप्त रकम को जमा करने और निकालने के लिए किया। ठगी से आए रुपए खाते में जमा होते थे और बाद में उन्हें अलग-अलग माध्यमों से निकाल लिया जाता था, ताकि धन के वास्तविक स्रोत को छिपाया जा सके। इस तरह दोनों आरोपियों ने अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से बैंक खाते का उपयोग किया।

अच्छा कमीशन देने का दिया लालच

पुलिस जांच में सामने आया कि यह बैंक खाता 'राजश्री कम्प्यूटर' नामक फर्म के नाम से मनासा रोड पिपलिया मंडी के पते पर खोला गया था। इस फर्म का संचालन दीपक (26) पिता कचरूलाल माली, निवासी ग्राम काचरिया चंद्रावत थाना पिपलिया मंडी द्वारा किया जा रहा था। पुलिस ने दीपक माली को थाने बुलाकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वर्ष 2024 में वह इंदौर में कैमरों की रिपेयरिंग कराने गया था। इसी दौरान उसकी मुलाकात इंदौर निवासी राहुल गेहलोत से हुई थी। बातचीत के दौरान राहुल ने उसे बैंक खाता खुलवाकर पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड और खाते से लिंक मोबाइल सिम देने के बदले अच्छा कमीशन देने का लालच दिया।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला:-पुलिस थाने में दर्ज मामले की जांच एसआई मूलचंदसिंह धाकड़ ने की। मामले में दीपक माली निवासी काचरिया चंद्रावत और राहुल गेहलोत निवासी इंदौर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66(सी) और 66(डी) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी दीपक माली को शुक्रवार को नारायणगढ़ न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। पुलिस अब फरार आरोपी राहुल गेहलोत की तलाश में जुटी हुई है।

फोटोग्राफी का काम करता है आरोपी:-जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दीपक माली फोटोग्राफी का कार्य करता है। पुलिस जांच में सामने आया कि वह इंदौर निवासी युवक के झांसे में आ गया और लालच में आकर बैंक खाता खुलवा दिया। इसके बाद खाते से जुड़े सभी दस्तावेज और एटीएम कार्ड राहुल को दे दिए। साइबर ठगी से आने वाली रकम इंदौर निवासी राहुल ही बैंक से निकालता था।

पुलिस ने लोगों को दी सावधानी बरतने की सलाह

थाना प्रभारी विक्रमसिंह इवने ने आमजन से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के कहने पर या लालच में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक या मोबाइल सिम किसी को न दें। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार का प्रस्ताव देता है तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मामलों में खाता धारक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

रोटरी प्रतिनिधिमंडल ने किया संसद भवन का अवलोकन किया

मंदसौर। रोटरी क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने देश की राजधानी दिल्ली पहुंचकर भारतीय लोकतंत्र के मंदिर, नई संसद भवन (लोकसभा) का अवलोकन किया व दर्शक दीर्घा (विजिटर गैलरी) में बैठकर विश्वास प्रस्ताव के पश्चात लोकसभा अध्यक्ष द्वारा दिये गए उद्बोधन का प्रत्यक्ष श्रवण किया।

प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें अष्टमुखी श्री पशुपतिनाथ जी की चांदी की प्रतिमा भेंट कर मंदसौर आने का निमंत्रण किया। श्री ओम बिरला ने रोटरी की सेवाओं की सराहना करते हुए इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया।

यात्रा के दौरान रोटरी सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व राज्यसभा सांसद बंशीलाल लाल गुर्जर से भी सौजन्य भेंट करी। इस यात्रा में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के मंडल अध्यक्ष सुशील मल्होत्रा, डिस्ट्रिक्ट 3040 के डीएलएफ गजेंद्र नारंग, डिस्ट्रिक्ट 3012 के पूर्व मंडलाध्यक्ष रमेश अग्रवाल सहित रोटरी सदस्य प्रहलाद काबरा, संजय गोठी, भूपेंद्र सोनी, कपिल भंडारी, संजय जैन, मीनाक्षी गुप्ता, नीरू बंसल, अनिल चौधरी, प्रदीप श्रीवास्तव, पवन लोहार, पवन माहेश्वरी, अर्पित बाकलीवाल, केतन कोठारी, रितेश भंडारी, चंचल सोनी सुरेश धनोतिया, सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

एक नजर — महिलाओं ने सुनी नल-दमयंती की कथा

भवानी माता मंदिर में श्रद्धा के साथ किया दशा माता पूजन

मंदसौर/मल्हारगढ़। प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी नगर में दशा माता पूजन का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। प्राचीन भवानी माता मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने एकत्रित होकर विधि-विधान से दशा माता की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा और महिलाओं ने सजधज कर पूजा में भाग लिया।

इस अवसर पर नगर पुरोहित पंडित राजेश दीक्षित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दशा माता का पूजन संपन्न कराया गया। पूजा के दौरान उपस्थित माताओं और बहनों को नल-दमयंती की कथा सुनाई गई, जिसे श्रद्धालुओं ने बड़े मनोयोग से सुना। कथा के माध्यम से धार्मिक आस्था, सदाचार और परिवार की सुख-समृद्धि का संदेश दिया गया।

पूजन के लिए महिलाओं ने पारंपरिक रूप से घरों में विशेष तैयारी की। उन्होंने पूजा की थालियों को सुंदर तरीके से सजाया, जिनमें श्रृंगार सामग्री, धागा, दीपक, प्रसाद और आटे से बनाए गए आभूषणों से थाली को सजाकर माता को अर्पित किया। महिलाएं अपने घरों से सजाई हुई थालियां लेकर मंदिर पहुंचीं और सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की।

पूजा के बाद महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, मंगल और अच्छे भाग्य की कामना करते हुए दशा माता का व्रत एवं पूजन किया। इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक गीतों और भक्ति भाव का वातावरण बना रहा। इस धार्मिक आयोजन में नगर की बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित रहीं और सभी ने मिलकर श्रद्धापूर्वक दशा माता पूजन एवं कथा का लाभ प्राप्त किया। आयोजन से पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और आस्था का वातावरण देखने को मिला।

नीमच

एक नजर में

कृषि उपज मंडी जावद में एटीएम की मांग किसानों को हो रही परेशानी

जावद। क्षेत्र की कृषि उपज मंडी में एटीएम सुविधा नहीं होने से किसानों और व्यापारियों को नकद लेन-देन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि मंडी में फसल बेचने के बाद उन्हें भुगतान लेने या अन्य खर्चों के लिए दूर स्थित बैंकों या एटीएम तक जाना पड़ता है, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि होती है। किसानों और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि मंडी परिसर में जल्द से जल्द एटीएम स्थापित किया जाए, ताकि किसानों को तुरंत नकदी उपलब्ध हो सके और लेन-देन की प्रक्रिया आसान बन सके। किसानों का कहना है कि मंडियों में सुविधाओं की कमी अक्सर विवाद और अव्यवस्था का कारण बनती है, इसलिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। कई स्थानों पर किसानों ने मंडी की व्यवस्थाओं को लेकर विरोध और मांगें भी उठाई हैं। किसानों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन उनकी इस मांग पर जल्द ध्यान देगा और मंडी परिसर में एटीएम की सुविधा शुरू कराई जाएगी, जिससे किसानों को राहत मिल सकेगी। नरेंद्र पौराणिक ने बताया है की नगर परिषद व शहरी क्षेत्र होने के बाद भी एटीएम की सुविधा नहीं होना जनहित के विपरीत है। शासकीय कर्मचारी वर्ग व नागरिक सभी परेशान है जनहित में एटीएम की सुविधा अति शीघ्र प्रारंभ की जावे।

पीपल की परिक्रमा कर की सुख-समृद्धि की कामना

सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने किया दशा माता का पूजन

नीमच। शहर सहित आसपास के अंचलों में शुक्रवार को दशा माता का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर विधि-विधान से दशा माता की पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि तथा मंगल की कामना की। सुबह से ही मंदिरों और पीपल वृक्षों के आसपास महिलाओं की भीड़ दिखाई दी, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजन संपन्न हुआ। हिंदू धर्म में देवी पार्वती के अनेक स्वरूपों की पूजा की जाती है, जिनमें दशा माता का भी विशेष महत्व माना जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता का व्रत और पूजन किया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 13 मार्च, शुक्रवार को मनाया गया। धर्मग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि दशा माता का व्रत करने से जीवन की विपरीत परिस्थितियां दूर होती हैं और घर-परिवार में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। दशा माता पूजन के दौरान महिलाओं द्वारा सोलह श्रृंगार कर पूजा करने की परंपरा है, जिसे सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं और पीपल, नीम तथा बरगद जैसे त्रिवेणी वृक्षों की पूजा करती हैं। सनातन परंपरा में इन वृक्षों को अत्यंत पवित्र माना गया है और मान्यता है कि इनमें देवताओं का वास होता है।

पूजन के दौरान महिलाएं पीपल वृक्ष पर कुमकुम, मेहंदी, लच्छा, सुपारी और अक्षत अर्पित करती हैं तथा वृक्ष के चारों ओर सूत या धागा लपेटकर परिक्रमा करती हैं। इसके बाद पीपल की छाल, जिसे स्थानीय परंपरा में सोना कहा जाता है, श्रद्धा के साथ घर लाकर तिजोरी में रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इससे घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और परिवार में खुशहाली बनी रहती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दशा माता का व्रत व्यक्ति के जीवन की दशा को सुधारने वाला माना गया है। कहा जाता है कि इस व्रत के प्रभाव से घर-परिवार में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं, कष्टों से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। यही कारण है कि महिलाओं में इस व्रत के प्रति विशेष आस्था देखने को मिलती है। शुक्रवार को शहर के विभिन्न मंदिरों और पूजा स्थलों पर शुभ मुहूर्त में महिलाओं ने सामूहिक रूप से दशा माता की पूजा कर व्रत किया और परिवार की खुशहाली व समृद्धि की कामना की।

अल सुबह से शुरू हुआ पूजन का क्रम देर शाम तक चलता रहा

सिंगोली। नगर में दशा माता का त्यौहार महिलाओं ने बड़े उत्साह पूर्वक मनाया। शुक्रवार को महिलाओं ने दशामाता का त्यौहार बड़े उत्साह के साथ मनाया। दशामाता पर्व के दिन महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर पूरे भक्तिभाव के साथ मंदिरों एवं विभिन्न स्थानों पर लगे पीपल के वृक्ष की पूजा अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। पीपल की पूजा अर्चना का दौर सुबह 8 बजे से शुरू हुआ जो दिनभर चलता रहा। महिलाओं ने पीपल की पूजा कर परिक्रमा की और दशा माता की कथा सुनी और एक दूसरे के पैर छूकर अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दिन महिलाओं द्वारा पूरे दिन निराहार रहकर व्रत किया जाता है तथा शाम को भगवान को भोग लगाकर व्रत खोला जाता है। दशा माता के त्यौहार पर नगर में विभिन्न स्थानों चौधरी मोहल्ला, गुर्जर समाज मंदिर, वार्ड 12 स्थित देवनारायण मंदिर, तहसील परिसर स्थित पीपल की पूजा कर महिलाओं ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

जिला अस्पताल से मजदूर की बाइक चोरी

पीड़ित बोला- पुलिस ने अभी तक सीसीटीवी चेक नहीं किए

नीमच। जिला अस्पताल से एक मजदूर की बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। मनासा के हांसपुर निवासी श्यामलाल शर्मा अपनी पत्नी की डिलीवरी के लिए 8 मार्च को अस्पताल आए थे। घर में बेटी के जन्म की खुशियों के बीच बुधवार की रात को अस्पताल परिसर से ही उनकी बाइक चोरी हो गई।

श्यामलाल मेहनत-मजदूरी कर परिवार चलाते हैं। बाइक चोरी होने के बाद उन्हें अस्पताल के कामों और बाजार से सामान लाने के लिए पैदल ही भटकना पड़ रहा है। यह बाइक (टीवीएस स्पोर्ट) उनके बड़े भाई राजेंद्र शर्मा के नाम पर थी। पीड़ित ने कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है, लेकिन उनका आरोप है कि पुलिस ने अभी तक सीसीटीवी फुटेज चेक करने की जहमत नहीं उठाई है।

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही

अस्पताल में वाहनों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। पिछले चार महीनों से यहां वाहन स्टैंड का ठेका खत्म हो चुका है, लेकिन नया टेंडर नहीं किया गया। सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल का कहना है कि ठेकेदार और मरीजों के परिजन के बीच होने वाले विवादों की वजह से टेंडर प्रक्रिया बंद है। दिन में तो कर्मचारी तैनात रहते हैं, लेकिन रात में सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है।

एक नजर — रामपुरा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई

छह खाद्य प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण, 20 सैंपल लिए

नीमच/रामपुरा। जिला कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने रामपुरा में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक निरीक्षण कर जांच की कार्रवाई की। अभिहित अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान 6 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कुल 20 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए।

जानकारी के अनुसार टीम ने बुरहानी हॉस्पिटल के पास स्थित लक्की भोजनालय का निरीक्षण कर आटा और तुवर दाल के नमूने लिए। साथ ही मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र, एफएसएसएआई ट्रेनिंग प्रमाण पत्र एवं खाद्य पंजीयन प्रदर्शित नहीं होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया। बस स्टैंड स्थित दुआ किराना से पोहा और मैदा के नमूने लिए गए। वहीं धान मंडी स्थित मानकचंद-नाथूलाल फर्म से बेसन, मसूर दाल और तुवर दाल के नमूने जांच के लिए लिए गए। लालबाग स्थित शैलेंद्र किराना स्टोर से बासमती चावल, मसूर दाल, उड़द दाल और मूंग दाल के नमूने लिए गए। यहां खाद्य लाइसेंस प्रदर्शित नहीं होने और कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होने पर सुधार सूचना पत्र जारी किया गया।

आईटीआई कॉलेज के पास स्थित प्रियंका भोजनालय से बासमती चावल, आटा, बेसन और तुवर दाल के नमूने लिए गए। यहां भी खाद्य पंजीयन प्रदर्शित नहीं होने, कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र और एफएसएसएआई ट्रेनिंग प्रमाण पत्र नहीं होने पर धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया।

इसी तरह मनासा रोड स्थित मानसरोवर फैमिली रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर दही, सोयाबीन तेल, पनीर और सेव नमकीन के नमूने जांच के लिए लिए गए। यहां भी आवश्यक दस्तावेजों की कमी पाए जाने पर सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी खाद्य व्यवसायियों को साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने तथा गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के निर्माण और विक्रय के निर्देश दिए गए। लिए गए सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, ईदगाह हिल्स भोपाल भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार जिलेभर में खाद्य प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।